के.के. पन्त, अपर सचिव उत्तराचल शासन्।

सेवा में.

निदंशक, प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल श्रीनगर गढकाल।

शिक्षा अनुभाग-८ (तकनीकी)

देहरादून: दिनाक2) मई 2006

विषय:-राजकीय पालीटेक्निक गाँचर के आवासीय भवन निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृत करने के संबंध में। महोदय.

उपर्युक्त विषयक आएकं पत्रांक -376/निप्रांशि/प्लान-छ-1/ 2006-07 दिनांक 17.5.2008 एवं शासनादेश संख्या-1004/XXIV(8)/2005-81/2005 दिनांक 30.12.2005 तथा शासनादेश संख्या-182/XXIV(8)/2006-81/2005 दिनांक 23.3.2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय राजकीय पालीटेक्निक गौवर के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु उ०प्रठ राजकीय निर्माण निराम श्रीनगर द्वारा गठित आंगणन के सापेक्ष रूठ 291 32 लाख (रूपये दो करोड इक्यानक लाख बत्तीस हजार मात्र) में से अभी तक स्वीकृत धनराशि रू० 35.00 लाख को समायोजित करते हुए इस वित्तीय वर्ष 2006-07 में अवशेष धनराशि रूठ 256.32 लाख में से रूठ 40.00 लाख (रुपये चालीन लाख मात्र) की धनराशि की सहबं खीकृति प्रदान करते हैं।

- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दर्श को जो दरे शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार माव से ली गई हो, की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- कार्यं कराने से पूर्व विस्तृत आगणन /मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- वार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- क यें कराने से पूर्व समस्त ऑपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्ट्यों के अनुरूप ही कार्य को सम्यादित कराते समय पालन करना स्निश्चित करें।
- कार्य कराने से पूर्व समस्त स्थल का भली-भाति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य

8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

जिम्मंग सामग्री की प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग लाया जाए।

10— यदि स्वीकृत धनराशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानवित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि न किया जाय।

11— इस संबंध में होने वाला चालू किलीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक- 4202- शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय- 02- तकनीकी शिक्षा-आयोजनागत - 104- बहुशिल्प -00- 03 - राजकीय बहुधन्त्री संस्थाओं के (पुरूष/ महिला) भवन का निर्माण / सुदृढ़ीकरण - 24- वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

12- यह आदेश वित्त विभाग अशासकीय संख्या-174/वित्त अनुभाग-3/ 2006 दिनाक 25.6,2008 में प्राप्त उनकी सहमित से जारी किये जा रहे है।

> मवदीय, (के.के. पन्त) अपर सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराचल, देहरादून।

- निजी सचिव, मा० तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन।
- निजी सचिव, मुख्य सचिव, चत्त्तरांचल शासन।
- आयुक्त, गढवाल मण्डल पौडी।
- जिलाधिकारी चर्माली।
- कोषाधिकारी, पौडी।
- 7. निवेशक, कोषागार एवं विता सेवायें, उतारांचल, देहरादून।

वित्त अनुमाग-3 / निक्षोजन अनुमाग ।

- 9. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
 - 10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
 - 11. परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम, श्रीनगर।

12. गार्ड फाइल ।

(संजीव कुग्रंप शर्मा) अनुसचिव। प्रेषक,

कं के पन्त. अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

रोवा में

निदेशक, प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल, श्रीनगर गढवाल।

शिक्षा अनुभाग-8 (तकनीकी)

देहरादून: दिनांक? मई,2008

विषय:- राजकीय पालीटेक्निक गौचर में 48 सीटेड महिला छात्रावास के निर्माण हेतु घनशशि स्वीकृत करने के संबंध में।

तपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक -375/निप्राःशि./प्लान-छ-1/ 2006-07 दिनांक 17.5.2006 एवं शासनादश संख्या-10.22/XXIV(8)/2005-83/2005 दिनांक 29.12.2005 के कम में गुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल पहांदय राजकीय पालीटेक्निक गींचर में 48 सीटेड महिला छात्रावास के निर्माण हेतु उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम श्रीनगर द्वारा गठित आंगणन के सापेक्ष रूठ 131.74 लाख (रूपये एक करोड़ इकतींस लाख चौहत्तर हजार मात्र) में से अभी तक रवींकृत धनराशि रूठ 10.03 लाख को समायोजित करते हुए इस वित्तीय वर्ष 2006-07 में अवशेष धनराशि रूठ वर्ष 2006-07 में अवशेष धनराशि रूठ वर्ष 2006-07 में प्रदान करते हैं।

- 2- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीलण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार माव से ली गई हो, की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्म न किया जाय।
- 3— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन /मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक खीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 4— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 6— कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताय तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दशें / विशिष्टयों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 7— कार्य कराने से पूर्व समस्त स्थल का भली-भाति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साध अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

- 8- अगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है. उसी मद पर यय किया जाए. एक मद का दूसरी मद में व्यथ कदापि न किया जाय।
- 9 निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग लावा जाए।
- 10— यदि स्वीकृत धनराशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, खींकृति राशि से अधिक कदापि न किया जाय।
- 11— इस संबंध में होने वाला चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 के अनुदान संख्या—11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक— 4202— शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूजीगत परिवयय— 02— तकनीकी शिक्षा— आयोजनागत— 104— बहुशिल्प —00— 03 राजकीय बहुधन्धी संस्थाओं के (पुरूष/ महिला) भवन का निर्माण / सुदृढ़ीकरण 24— बृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
- 12- यह आदेश वित्त विमाग अशासकीय संख्या-170/वित्त अनुभाग-3/ 2006 दिनाक 25.5.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

मवदीय, (के.के. पन्त) अपर सचिव।

संख्या व दिनांक तदंव

प्रतिनिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2. निजी सचिव, माठ तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन।
- 3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांघल शासन।
- आयुक्त गढवाल मण्डल, पौड़ी।
- जिलाधिकारी पौड़ी।
- कोषाधिकारी, याँडी ।
- 7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तरांचल, देहरादून।
- वित्त अनुमाग-3/ नियोजन अनुमाग।
- 🦫 राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 11. परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राजकीय निर्माण नियम, श्रीनगर।
- 12. गार्ड फाइल।

(संजीव कुमार शर्मा) अनुस्चिव।

के के. पन्त, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक, प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल, श्रीनगर गढ़वाल।

शिक्षा अनुभाग-७ (तकनीकी)

देहरादूनः दिनांक 🌎 मई.2006

विषय:- राजकीय पालीटेक्निक देहरादून के आवासीय एवं अनावासीय भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पन्न संख्या—371/नि०प्रा0शि0/प्लान—छै—1/2008—07 दिनांक 17.5.2006 तथा शासनादेश संख्या— 37/प्रा0शि0/2004 दिनांक 27.3.2004, शासनादेश संख्या—378/ प्रा0शि0/2004 दिनांक 8.9.2004, शासनादेश संख्या—519/XXIV(8)/2005 दिनांक 8.7.2005, शासनादेश संख्या—719/XXIV(8)/2005 दिनांक 14.9.2005 एवं शासनादेश संख्या—961/XXIV(8)/2005 दिनांक 20.2.2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय, राजकीय पालीदेविनक देहरादून के आवासीय एवं अनावासीय भवन निर्माण हेतु प्रथम चरण के अन्तर्गत निर्माणधीन प्रशासनिक एवं एकंडिमिक भवन के निर्माण हेतु अनुमोदित लागत रू० 699.00 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रू० 272.10 लाख को समायोजित करते हुए अवशेष देय धनराशि रू० 426.90 लाख के सापेक्ष सम्प्रति रू० 100.00 लाख (रूपये सौ लाख मात्र) की धनराशि स्वीकृत करते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

2— धनराशि वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किये जाये और जहाँ आवश्यक हो व्यय करने से पूर्व समक्ष अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये। स्वीकृत धनराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र में शासन एवं महालेखाकार को उपलब्ध करायें जायें।

3— निर्माण कार्यो की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण ऐजेन्सी उत्तरदायी होगी।

4— इस संबंध में होने वाला चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 के अनुदान संख्या—11 के अन्तर्गत लेखाशीषक— 4202— शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूर्जीगत परिव्यय— 02— तकनीकी शिक्षा— आयोजनागत — 104— बहुशिल्प—00— 03 — राजकीय बहुधन्धी संस्थाओं के (पुरुष / महिला) भवन का निर्माण / सुदृढ़ीकरण — 24— बृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

5— यह आदेश वित्त विभाग अशासकीय संख्या—182 / वित्त अनुभाग—3 / 2006 दिनांक 25.5.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

> भवदीय, (के.के. पन्त) अपर सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2. निजी सचिव मा० तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन।
- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 5. जिलाधिकारी देहरादून।
- कोषाधिकारी, पौडी।
- 7. निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तरांचल, देहरादून।
- वित्त अनुमाग-3 / नियोजन अनुमाग ।
- 🕼 राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादुन।
 - 10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
 - 11. परियोजना प्रबन्धक, राजकीय निर्माण निगम, देहरादून।
 - 12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा) अनुसचिव।

के.के. पन्त, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा भें

निदेशक, प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल, शीनगर गढ़वाल।

शिक्षा अनुभाग-१ (तकनीकी)

देहरादूनः दिनांक ु मई,2006

विषय:- राजकीय पालीटेक्निक द्वाराहाट के वर्कशाप भवन के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में ।

महोदय.

रपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या—378/नि0प्रा0शि0/प्लान—छ:—1/2006—07 दिनांक 17.5.2006 तथा शासनादेश संख्या—52/XXIV(8)/2006—84/2005 दिनांक 24.2.2006 एवं शासनादेश संख्या—199/XXIV(8)/2006—84/2005 दिनांक 24.3.2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय, राजकीय पालीटेक्निक द्वाराहाट के वर्कशाप भवन के निर्माण हेतु अनुमोदित लागत रूठ 153.03 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रूठ 26.50 लाख को समायोजित करते हुए अवशेष देय धनराशि रूठ 126.53 लाख के सापेक्ष समप्रति रूठ 40.00 लाख (रूपये चालीस लाख मात्र) की धनराशि इस वित्तीय वर्ष 2006—07 में स्वीकृत करते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किये जाये और जहाँ आवश्यक हो व्यय करने से पूर्व समक्ष अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायें। स्वीकृत धाराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र में शासन एवं महालेखाकार को उपलब्ध करायें जायें।

3- निर्माण कार्यो की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण ऐजेन्सी उत्तरदायी होगी।

4— इस संबंध में होने वाला चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 के अनुदान संख्या—11 के अन्तर्गत लेखाशीर्पक— 4202— शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूजीगत परिव्यय— 02— तकनीकी शिक्षा— आयोजनागत — 104— बहुशिल्प—00 — 03 — राजकीय बहुधन्धी संस्थाओं के (पुरूष/ महेला) भवन का निर्माण / सुदृढ़ीकरण — 24— वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जार्थगा।

5— यह आदेश वित्त विभाग अशासकीय संख्या—201 / वित्त अनुनाग—3 / 2006 दिनांक 27.5.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

> भवदीय, (के.के. पन्त) अपर सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

महालेखाकार, उत्तरांचल, देहराद्न।

- निजी सचिव, माठ तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन।
- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- आयुक्त कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 5. जिलाधिकारी अल्मोडा।
- कोषाधिकारी, पौडी।
- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तरांचल, देहरादून।
- वित्त अनुभाग–3 / नियोजन अनुभाग।
- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून।
 - 10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
 - परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राजकीय निर्माण नियम, अत्मोडा।

12. गार्ड फाइल।

आज्ञा सै,

(संजीव कुमार शर्मा) अनुसचिव।

के के पन्त अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निदेशक. प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल. श्रीनगर गढ़वाल।

शिक्षा अनुभाग-१ (तकनीकी)

वेहरादूनः दिनांक 2 मई,2006

विषय:-- पाजकीय पालीटेक्निक श्रीनगर गढ़वाल के 80 सीटेड महिला छात्रावास के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में ।

महोदय.

्ययुक्त विषयक आएक पत्रांक -372/नि.प्राशि/प्लान-छ:-1/ 2006-07 दिनांक 17.5.2006 एवं सासनादेश संख्या-51/XXIV(8)/2006-83/2005 दिनांक 2.3.2008 तथा शासनादेश संख्या-177/XXIV(8)/2006-83/2005 दिनांक 22.3.2006 के कम में भुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल मागेदय राजकीय पालीटेकिनक श्रीनगर गढ़वाल के 60 सीटेड महिला छात्रावास के निर्माण हेतु उ०प्र० राज कीय निर्माण निगम इकाई श्रीनगर द्वारा गठित आगणन के सापेक्ष रू० 148.60 लाख (रूपये एक करोड अडतालीस लाख साठ हजार मात्र) में से अभी तक रवीकृत धनराशि रू० 28.00 लाख को समायोजित करते हुए इस बित्तीय वर्ष 2006-07 में अवशेष धनराशि रू० 120.60 लाख में से रू० 40.00 लाख (रुपये चालीस लाख मात्र) की धनराशि की सहब स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- अगणन में उल्लिखित दशें का विश्लेषण विमाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दशें को जो दरे शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी है, वी स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 3- कार्य करान से पूर्व विस्तृत आगणन /मानचित्र गरित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- कार्य पर जतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- एक मुक्त प्राविधान में कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगंणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्थीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 6 कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टयों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 7— आगणन में जिल मदों हेतु जो राशि स्कीकृति की गयी है, उसी मद पर ब्यय किया जाए। एक मद की राशि का दूसरी मद में ब्यय कदापि न किया जाय।

- 8- निर्माण सानग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग लाया जाए।
- 9— कार्य कराने से पूर्व समस्त स्थल का मली-मांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जार्ये।
- 10— यदि स्वीकृत धनशशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानवित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि न किया जाय।
- 11— इस संबंध न होने वाला व्यय बालू वित्तीय वर्ष 2006—07 के अनुदान संख्या—11 के अन्तर्गत लेखाशीर्थक 4202- शिक्षा खेलकृद तथा संस्कृति पर पूजीगत परिव्यय— 02— तकनीकी शिक्षा— आयोजनागत — 104— बहुशित्प —00— 03 — राजकीय बहुधन्धी संस्थाओं के (पुरूष/ महिला) भयन का निर्माण / सुदृढीकरण — 24— वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
- 12— यह आदेश कित्त विभाग की अशासकीय संख्या—175/वि० अनु0-3/2006 दिनांक 25.5.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(के.के. पन्त) अपर सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिसित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- महालेखाकार, उत्तराचल, देहरादून।
- 2. निर्जा निर्चा निर्चा माठ तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन।
- 3. निजी सचिव, पुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- आयुक्त गढवाल मण्डल, पौडी।
- 5. जिलाधिकारी पाँडी।
- 6. कोष धकारी पौडी।
- 7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्ये, उत्तरांचल, देहरादून।
- 8 विता अनुभाग-3/ नियोजन अनुभाग।
- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सथिवालय परिसर, देहरादून।
 - 10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निर्देशालय।
 - परियाजना प्रबन्धक, राजकीय निर्माण निगम, श्रीनगर।
 - 12. गार्ड फाइल।

आक्री से,

(संजीव कुमार शर्मा) अनु सचिव।

- ह- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैरिटंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग लाखा जाए।
- 9- कार्य कराने से पूर्व समस्त स्थल का मली-माति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 10— यदि रवीकृत घनराशि में स्थल विकास कार्य सन्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानवित्र गठित कर शासन से रवीकृति प्राप्त करनी होगी, रवीकृति राशि से अधिक कदापि न किया जाय।
- 11— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षय 4202- शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय- 02~ तकनीकी शिक्षा-आयोजनागत 104- बहुशिल्प -00- 03 राजकीय बहुधन्धी संस्थाओं के (पुरूष/ महिला) भवन का निर्माण / सुदृढ़ीकरण 24- वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
- 12— यह आपर दिला विभाग की अशासकीय संख्या—175/वि० अनु०-3/2006 दिनांक 25.5.2006 में प्राप्त जनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(के.के. पन्त) अपर सचिव।

संख्या व दिनांक तदेव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

- महालंखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- निजी सचिव, माठ तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरंगचल शासन।
- 3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पीडी।
- 5. जिलाधिकारी पाँड़ी।
- 6. कोषाधकारी पाँडी।
- 7. निदेशक, कोषागार एवं विता सेवार्ये, उत्तरांचल, देहरादून।
- 8. वित्त अनुभाग-3/ नियोजन अनुभाग।
- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
 - 10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
 - परियोजना प्रबन्धक, राजकीय निर्माण निगम, श्रीनगर।
 - 12. गार्ड फाइल।

आज़ी से,

(संजीव कुमार शर्मा) अनु सचिव।